

राज्यपाल सचिवालय

राजभवन जयपुर

विज्ञान भारती पार्क में एक वृक्ष माँ के नाम पर कार्यक्रम आयोजित

भारतीय संस्कृति प्रकृति पूजक

हवाए पानी और मिट्टी की शुद्धता के लिए सब मिलकर कार्य करें—राज्यपाल

जयपुर 9 नवम्बर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने भारतीय संस्कृति को प्रकृति पूजक बताते हुए कहा कि हवाए पानीए मिट्टी की शुद्धता नहीं रखने से ही पर्यावरण का संकट गहराया है। उन्होंने कहा कि पेड़ धरती का शृंगार हैं। उन्हें अधिक से अधिक लगाएं ही नहीं बल्कि लगाने के बाद पनपने तक उनका संरक्षण भी करें।

राज्यपाल रविवार को सीतापुरा स्थित विज्ञान भारती पार्क में एक वृक्ष माँ के नाम पर कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विज्ञान भारती ने अनुपयोगी डंपिंग यार्ड में वृक्षारोपण कर उसे “ऑक्सी जोन” के रूप में विकसित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। यह अनुकरणीय है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध वायु और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बनेगा।

श्री बागडे ने पेड़ लगाने के साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन के लिए भी सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान प्रसार का एक अर्थ यह भी है कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करें। वैज्ञानिक दृष्टिकोण यह है कि पेड़ों से ही पर्यावरण संतुलन बना रहता है। पेड़ उजड़ते हैं तो बहुत कुछ उजड़ जाता है। वहां रहने वाले जीव-जंतुओं का आवास छीन जाता है। इसी से पारिस्थितिकी संतुलन गड़बड़ाता है। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों में हरित पहल करने के साथ कचरा प्रबंधन पर वर्षा जल संचयन पर पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता अभियान चलाने का भी आह्वान किया।

विज्ञान भारती के डॉ. मेघेन्द्र शर्मा ने बताया कि विज्ञान भारती ने जयपुर ए अलवर और सीकर जिलों में अनुपयोगी भूमि को हरित क्षेत्र में बदलने की विशेष मुहिम शुरू की है।

राज्यपाल ने इससे पहले शकल्पवृक्ष लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।.....

राज्यपाल सचिवालय

राजभवन जयपुर

राज्यपाल ने ऑपन रेपिड चेस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया

शतरंज मूलतः भारतीय खेल अरब से यह योरोप पहुंचाकराज्यपाल

जयपुर 9 नवम्बर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने रविवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित शकिंगडम ऑफ चेस ए ओपन रेपिड चेस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि शतरंज मूलतः भारतीय खेल है। सातवीं शताब्दी के समय चतुरंग नाम से इस खेल की शुरुआत हमारे यहां ही हुई थी। यहां से फिर यह अरब और फिर पूरे योरोप में पहुंचा।

राज्यपाल ने शतरंज को रणनीतिक बुद्धिमत्ता से जुड़ा खेल बताते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताओं से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनता है। उन्होंने चेस प्रतियोगियों से संवाद भी किया और उन्हें जीतने के लिए शुभकामनाएं दी।







